अनीता का हस्तमैथुन

“वो उस पेज पर छपे चित्र को ध्यान से देखती है जिसमें एक कंडोम का एक एड छपा था.. जिसमें एक पुरुष और एक लड़की को नग्न.. एक-दूसरे से चिपका हुआ दिखाया गया था। ...”

Story By: ranveer Kumar (ranveerkumar733)
Posted: Friday, January 27th, 2017
Categories: जवान लड़की
Online version: अनीता का हस्तमैथुन

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनीता का हस्तमैथुन

अनीता अपने कमरे बैठी कुछ पढ़ रही थी.. तभी एक पेज पर एक चित्र को देख कर वो पढ़ना बंद कर देती है और कुछ सोचने लग जाती है।

कुछ देर बाद वो फिर से किताब खोलती है और उसमें उस पेज को खोजने लग जाती है जहाँ से उसने पढ़ना बंद किया था। उसे वो पेज मिल जाता है। वो उस पेज पर छपे चित्र को ध्यान से देखती है जिसमें एक कंडोम का एक एड छपा था.. जिसमें एक पुरुष और एक लड़की को नग्न.. एक-दूसरे से चिपका हुआ दिखाया गया था।

उसे देखकर अनीता के मन में एक आग सी लग जाती है.. जो उसके मन में एक कामेच्छा को जन्म देती है।

वो कुछ देर तक उस चित्र को बड़ी बारीकी से देखती रही और उस चित्र में लड़की को प्राप्त होने वाले आनन्द को महसूस करने की कोशिश करने लगी। फिर वो खुद भी इसी आनन्द को प्राप्त करने की सोच में अपनी उंगलियों को अपनी गर्दन पर ले जाती है और अपनी उंगलियों से अपनी गर्दन को छूती है। उसकी ये छुअन उसके मन को एक छोटा सा.. पर एक सुखद एहसास देती है और उसे पीछे की तरफ लेटा देती है।

अब वो अपना हाथ अपनी गर्दन से हटा कर चेहरे की तरफ ले जाती है और अपनी उंगलियों से अपने गालों को स्पर्श करती है.. उसके बाद वो अपने होंठों पर अपनी उंगलियां फिराने लगती है। उसकी उंगलियां उसके शरीर को एक नया एहसास देना शुरू कर देती हैं.. जो उसके शरीर में एक अकड़न सी पैदा करने लगा।

अब उसने अपना हाथ चेहरे से हटाया और फिर से गर्दन पर अपनी हाथों से स्पर्श करने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लगी। यह स्पर्श धीरे-धीरे नीचे की तरफ बढ़ने लगा और उसने अपना हाथ नीचे की तरफ बढ़ा दिया। उसके हाथ ने उसकी कोमल छाती को छू लिया। उसकी उंगलियों ने उसके स्तनों पर एक प्यारी सी रगड़ कर दी और उस रगड़ के एहसास ने उसकी आँखें बंद कर दीं।

अब उसका हाथ अपनी मर्जी से उसके स्तनों पर चल रहा था और उसकी उंगलियां उसके स्तनों के हर हिस्से को छूने लगीं। अनीता अपनी उंगलियों से मिलने वाले उस एहसास को महसूस कर रही थी, जो उसे एक नई दुनिया में ले जा रहा था।

वो अपने एक हाथ को अपनी छाती से नीचे की तरफ ले जाती है और पेट की नाभि पर अपनी एक उंगली से स्पर्श करती है। फिर वो नाभि के चारों तरफ अपनी उस उंगली को घुमाने में लग जाती है। उस उंगली का मादक एहसास पाकर वो अपने होंठों को भींच लेती है और अपने दांतों से अपने निचले होंठ को थोड़ा सा दबा लेती है।

अनीता इस आनन्द के वशीभूत होकर अपनी दोनों जांघों को भींच लेती है.. जिससे उसकी योनि पर एक दबाव बन जाता है और इस दबाव से वो अपनी योनि में एक अजीब सी सिरहन महसूस करती है।

उसके मन की काम-तृष्णा अब उसके शरीर को एक आनन्द की प्राप्ति करा रही थी और वो उसमें खोती जा रही थी।

अब वो उस उंगली को नाभि से हटा कर और नीचे की तरफ बढ़ने लगी। उसकी बाकी उंगलियों ने भी उसकी सलवार के नाड़े को छू लिया। उसकी उंगलिया नाड़े के बराबर-बराबर चलने लगीं.. जैसे वे कोई रास्ता ढूँढ रही हों।

उसके मन में उत्तेजना बढ़ती जा रही थी और उसकी उंगलियां उस कामुक एहसास को बढ़ा रही थीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसका दिमाग उसे हाथ को रोकने के लिए कह रहा था.. पर अनीता का मन उस एहसास को और ज्यादा महसूस करना चाहता था और इसी उधेड़ बुन में उसके हाथों की उंगलियां नीचे की तरफ बढ़ती चली जा रही थीं। अब उसकी उंगलियों ने उसकी सलवार के नाड़े के नीचे अपनी जगह बना ली और सलवार के अन्दर जाकर उस भाग को स्पर्श करने लगी.. जहाँ कुछ बाल उगे थे।

उसकी उंगलियां उन बालों से छेड़छाड़ करने लगीं.. यही छेड़छाड़ उसके मन को एक सुखद आनन्द प्राप्त करा रही थी। यही आनन्द उसके मन को आगे बढ़ने को मजबूर कर रहा था।

अनीता की उंगलियां सलवार का नाड़ा बंधे होने की वजह से आगे नहीं बढ़ पा रही थीं.. तो उसकी उंगलियां अब सलवार के बाहर आकर उस नाड़े के बंध को ढूँढने लगीं। जब सलवार का नाड़ा मिल गया.. तो उंगलियों ने उससे बड़े प्यार से खोल दिया। इसी के साथ उंगलियों ने उसके नाड़े वाली जगह को सहला दिया.. जैसे वे नाड़े को धन्यवाद दे रही हों।

इसके बाद उसकी उंगलियां सलवार के अन्दर घुसने लगीं और इस बार उन्होंने बालों वाली जगह को पूरी तरह से छू लिया और बालों के बीच में इधर-उधर घूमने लगीं।

इसी छेड़छाड़ में उसकी एक उंगली ने उसकी योनि के ऊपरी भाग को छू लिया और अनीता के मुँह से एक छोटी सी 'उन्ह्ह्ह..हाय..' की सिसकारी निकल पड़ी। इसी के साथ उसका दूसरा हाथ अपने आप उसकी छाती के ऊपर आ गया.. जो अब उसके स्तनों के ऊपर था।

अनीता का मन इस स्पर्श को पाकर और ज्यादा एहसास पाने को उतावला होने लगा। वो अपनी उंगलियां अपनी योनि के पास ले गई और योनि के पास फिराने लगी.. जो उसे और उत्तेजित करने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनीता ने अब अपनी दोनों भिंची हुई जांघों को थोड़ा सा ढीला कर दिया। उसकी उंगलियां योनि के और पास जाने लगीं और अंत में उसने योनि को अपनी उंगलियों से छू ही लिया। अपनी योनि का स्पर्श पाकर अनीता को एक मादक एहसास हुआ, जिसने उसके दूसरे हाथ को उसके स्तनों को रगड़ने पर मजबूर कर दिया।

अनीता के दांत उसके होंठों को थोड़ा-थोड़ा चबा रहे थे और अनीता की वो उंगली उसकी योनि के ऊपर इधर-उधर स्पर्श करती हुई चल रही थी। वो कभी योनि को छूती तो कभी योनि के ऊपर बालों वाले हिस्से को छूती।

उसकी उंगली ऐसे चल रही थी.. जैसे अनीता का उस पर कोई वश ना रहा हो। अब उसकी दूसरी उंगलियां भी उस उंगली का साथ देने लगीं और उसकी उंगलियों ने योनि को पूरी तरह से ढक सा लिया।

दूसरी तरफ उसके दूसरे हाथ की उंगलियां उसके स्तनों को उसके सूट के ऊपर से ही छू रही थीं और उसके स्तनों पर एक रगड़ कर रही थीं। वे उस कपड़े की दीवार को पार करना चाहती थीं और यही कोशिश उसके हाथ का दबाव उसके स्तनों डाल रही थी।

अनीता की उंगलियां उसकी योनि को छूती हुई, उसके उसके शरीर में एक एहसास पैदा कर रही थीं.. जो एक पुरूष से मिलने वाले एहसास जैसा ही था।

अनीता का शरीर अकड़ता जा रहा था, पर उसकी उंगलियां रुकने का नाम नहीं ले रही थीं, वे और जल्दी-जल्दी इधर-उधर चल रही थीं।
अब अनीता का मन हर हद पार करने के लिए तैयार हो गया था।

तभी अनीता एकदम से उठ कर बैठ गई, उसने अपने हाथों से अपने शर्ट को ऊपर की तरफ खींच दिया और उसे निकाल कर अपने से दूर फेंक दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इसके बाद उसने अपनी ब्रा का हुक खोल कर अपने स्तनों को आजाद कर दिया। उसके स्तन ये आजादी पाकर फूल से गए.. जैसे वे खुद को आजाद करने के लिए अनीता को धन्यवाद कह रहे हों।

अनीता ने अब अपनी सलवार को पकड़ा और नीचे की तरफ निकाल दिया। अब वो फिर से पीछे की तरफ लेट गई और पास में रखे एक तकिये को अपनी हाथों में लेकर अपने बांहों में भर कर अपने स्तनों से रगड़ने लगी। वो तकिये को ऐसे बांहों में भरे हुई थी, जैसे वो किसी युवक को अपनी बांहों में भरे हुए हो। उसने अपनी पूरी ताकत से उस तकिए को भींच लिया।

कुछ पल बाद उसने तकिये से एक हाथ हटाया और अपने हाथ को अपने पेट ले गई। अपने पेट को अपनी उंगलियों से स्पर्श करने लगी और फिर वे उंगलियां नीचे की तरफ बढ़ने लगीं। पर इस बार उसकी उंगलियां उसकी नाभि से जांघों की तरफ बढ़ चलीं और जांघों पर एक कामाग्नि पैदा करती हुई.. उसकी जांघों पर चलने लगीं।

कुछ देर बाद उसकी हाथ उसकी योनि की तरफ बढ़ने लगा और उसकी उंगलियों ने योनि को छुआ। अनीता की उंगलियों ने इस बार उसकी योनि की दरार के ऊपर वाले दाने को छुआ और उस छुवन से अनीता के मुँह से एक मीठी सी सीत्कार निकल पड़ी- उम्म्ह… अहह… हय… याह… आह..

अनीता की उंगलियों ने योनि को उत्तेजित कर दिया और अनीता ने अपनी उंगलियों से अपनी योनि की दरार को खोल दिया। अब वो खुली हुई दरार की खाल को छूने लगी। उसने अपनी जांघों को इतना चौड़ा कर दिया था.. जितना वो कर सकती थी।

अनीता ने अपनी एक उंगली योनि के अन्दर घुसानी शुरू की और मुँह से मादक सिसकारियां करने लगी। जैसे-जैसे उसकी उंगली अन्दर घुस रही थी.. उसकी सिसकारियां

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तेज होती जा रही थीं। अनीता का शरीर अकड़ता जा रहा था और उसके तकिये पर उसके हाथ का दबाव भी बढ़ता जा रहा था।
इस दबाव से उसके स्तनों में भी एक मस्ती की लहर दौड़ रही थी और वो लहर उसके स्तनों से चलकर उसके योनि में समा रही थी।

अनीता ने अपनी एक उंगली को योनि में पूरी तरह से घुसा दिया और उसे कुछ सेकंड तक ऐसे ही रहने दिया। फिर उसने अपनी उंगली को बाहर निकाला और तुरंत ही फिर से अन्दर घुसा दिया। इस क्रिया से उसकी सिसकारी और बढ़ गई और उस तकिए पर दबाव भी बढ़ गया।

कुछ मिनट तक अपनी एक उंगली से अपनी योनि को सुख देने के बाद उसकी एक और उंगली ने उसका साथ दिया और वो भी पहली उंगली के साथ उसकी योनि में घुस गई। अनीता को और अधिक मजा आने लगा और उसने उन उंगलियों के अन्दर-बाहर आने की क्रिया को और तेजी से करना शुरू कर दिया।
उसकी सिसकारियां उस कमरे में गूंज रही थीं पर अनीता को इस बात की जैसे कोई परवाह ही नहीं थी.. वो अपने आप में ही खोई हुई थी।

अनीता ने अपनी दोनों उंगलियों से कुछ मिनट तक अपनी योनि को सुख दिया और अब उसका शरीर थकने लगा था। उसके शरीर की अकड़न अपनी चरम सीमा पर थी।

अनीता ने अब अपने स्तनों पर रखे तकिये को अपनी पूरी ताकत से भींच लिया। वो अपनी योनि से अपनी उंगलियां निकाल कर अपनी पूरी हथेली से अपनी योनि को रगड़ने लगी और अपनी योनि को अपने हाथों में पकड़ने की कोशिश करने लगी। इसी रगड़ ने उसकी योनि को अपने चरम पर पहुँचा दिया। अनीता ने अपनी तकिये को और जोर से भींच लिया और इस बार उसकी योनि ने पानी जैसा कुछ बाहर निकाल दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अनीता की तकिये पर पकड़ ढीली पड़ने लगी.. फिर भी उसका दूसरा हाथ अब भी योनि को सहलाने की कोशिश कर रहा था। पर अब योनि में कुछ महसूस नहीं हो रहा था।

अनीता ने उस हाथ को उठाया और तकिए को पास में रख कर दोनों हाथों को अपने स्तनों पर रख लिए और कुछ सोचने लगी और उससे पता भी नहीं चला कि कब उसे नींद आ गई।

आगे की कहानी बाद में.. आपके क्या विचार हैं मुझे जरूर लिखिएगा।

ranveerkumar733@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

जयपुर में कुंवारी पड़ोसन की चूत की चुदाई

नमस्ते.. मेरा नाम अभिषेक है, मैं जयपुर का रहने वाला हूँ, मैंने अभी अपनी बी.टेक. पूरी की है। आज मैं आपके साथ एक कहानी नहीं वास्तविक घटना शेयर करने जा रहा हूँ.. आशा है आपको सभी को यह हिंदी सेक्स […]

Full Story >>>

दिल्ली से मुम्बई ट्रेन में मेरा चूत चुदाई का अनुभव-2

अब तक आपने पढ़ा.. पायल आंटी मेरे साथ ट्रेन के टॉयलेट तक आ गई थीं और वे टॉयलेट में अन्दर थीं। उन्होंने अन्दर से मुझे आवाज दी। अब आगे.. पायल आंटी- अनमोल.. मैं बाहर से बोला- हाँ जी क्या हुआ […]

Full Story >>>

पड़ोसन विधवा को पटा कर चूत चोदी

अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है। मुझसे कुछ भूल हो जाए.. तो प्लीज़ माफ़ कर दीजिएगा। मेरा नाम शुभम है.. मेरी उम्र 40 साल है। ये बस उस वक़्त की है.. जब मेरा और मेरी बीवी का झगड़ा हो […]

Full Story >>>

शादी में गर्लफ्रेंड बना कर चोद दिया

हाय फ्रेंड्स मेरा नाम सुमित है.. मैं 19 साल का हूँ। यह मेरी पहली और सच्ची स्टोरी है। यह बात तब की है जब मैं अपने 12वीं के एग्जाम के बाद अपने मामा के शादी में गया था। वहाँ मेरे […]

Full Story >>>

मैंने और मेरी सहेली ने एक साथ चूत चुदवाई

पहले तो सब अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले दोस्तों को मेरी चूत और मम्मों का उछल-उछल कर सलाम ! मैं आपके सामने अपनी 34-28-36 की फिगर का एक नायाब धमाका एक ऐसी स्टोरी के माध्यम से करने जा रही हूँ जो […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire